जब जब आता हूँ साँवरिया मैं तेरे दरबार भजन लिरिक्स

जब जब आता हूँ,
साँवरिया मैं तेरे दरबार,
कभी नैनों में खो जाऊँ,
कभी भजनों में खो जाऊँ,
भूलू दरकार,
जब जब आता हूं,
साँवरिया मैं तेरे दरबार।bd।

तर्ज – किस्मत वालों को।

माँगना क्या है सोच के आता हूँ,
पर्चे पर भी लिख के लाता हूँ,
दर्शन होते बाबा जब तेरे,
सुध बुध अपनी भूल मैं जाता हूँ,
सोचा जो भूल गया मैं,
लिखा जो पढ़ न सका मैं,
बाबा हर बार,
जब जब आता हूं,
साँवरिया मैं तेरे दरबार।bd।

दयोड़ी पर मैं जब तेरी चढ़ता,
दिल मेरा खुशियों से ये भरता,
मिलकर तुमको सब बतलाऊँगा,
अपने दिल का हाल सुनाऊँगा,
न जाने क्या हो जाता,
मैं तुझमें ही खो जाता,
मेरे सरकार,
जब जब आता हूं,
साँवरिया मैं तेरे दरबार।bd।

तुमसे बिछुड़कर याद मुझे आया,
भूल गया जो माँगने था आया,
कहता 'कमल' पर अंतर्यामी तू,
बिन बोले तुझे समझ सभी आया,
सोचा जो वो ही दिया है,
उससे ही ज्यादा दिया है,
मुझको भी तो अपने।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जब जब आता हूं,
साँवरिया मैं तेरे दरबार।bd।

जब जब आता हूँ,
साँवरिया मैं तेरे दरबार,
कभी नैनों में खो जाऊँ,
कभी भजनों में खो जाऊँ,
भूलू दरकार,
जब जब आता हूं,
साँवरिया मैं तेरे दरबार।bd।

गायक – प्रदीप गुप्ता(पुष्प)
रचियता – राघव गुप्ता(कमल)
प्रेषक – अनमोल गुप्ता
8800806260

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com